

---

# Dharmashilakritam Durga Stotram

---

## धर्मशीलकृतं दुर्गास्तोत्रम् ९

---

### Document Information



---

Text title : Dharmashilakritam Durga Stotram

File name : dharmashilakRRitaMdurgAstotram09.itx

Category : devii, devI, bhaviShyapurANa, stotra

Location : doc\_devii

Proofread by : PSA Easwaran

Description/comments : bhaviShyapurANa | pratisargaparva | dvitIyakhaNDa | adhyAya 6/6-10||

Latest update : October 4, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

October 4, 2024

*sanskritdocuments.org*

---

धर्मशीलकृतं दुर्गास्तोत्रम् ९

---




धर्मशील उवाच ।  
एका तु प्रकृतिर्नित्या सर्ववर्णस्वरूपिणी ॥ ६ ॥  
सा त्वं भगवती साक्षात्त्वया सर्वमिदं ततम् ।  
त्वदाज्ञया सुरश्रेष्ठो रचित्वा लोकमुत्तमम् ॥ ७ ॥  
महालक्ष्म्या त्वया सार्द्धं बुभुजे निर्मलं सुखम् ।  
त्वद्भक्त्या भगवान्विष्णुस्त्रैलोक्यं ब्रह्मनिर्मितम् ॥ ८ ॥  
पालयंश्च महालक्ष्म्या त्वया सार्द्धं सनातनि ।  
त्वद्भलेन महादेवि त्रैलोक्यं विष्णुपालितम् ॥ ९ ॥  
महाकाल्या त्वया सार्द्धं भस्म कृत्वा विराजते ।  
सर्वे देवास्तथा दैत्याः पितरो मनुजाः खगाः ॥ १० ॥  
त्वल्लीलया च ते जाता जगन्मातर्नमोऽस्तु ते ।  
इत्युक्तवन्तं नृपतिं वागुवाचाशरीरिणी ॥ ११ ॥  
इति भविष्यपुराणे प्रतिसर्गपर्वणि द्वितीयखण्डे षष्ठाध्यायान्तर्गतं  
धर्मशीलकृतं दुर्गास्तोत्रं समाप्तम् ।  
भविष्यपुराण । प्रतिसर्गपर्व । द्वितीयखण्ड । अध्याय ६/६-१० ॥

bhaviShyapurANa . pratisargaparva . dvitIyakhaNDa . adhyAya 6/6-10..

Proofread by PSA Easwaran

---

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

